अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
महिला नेतृत्व

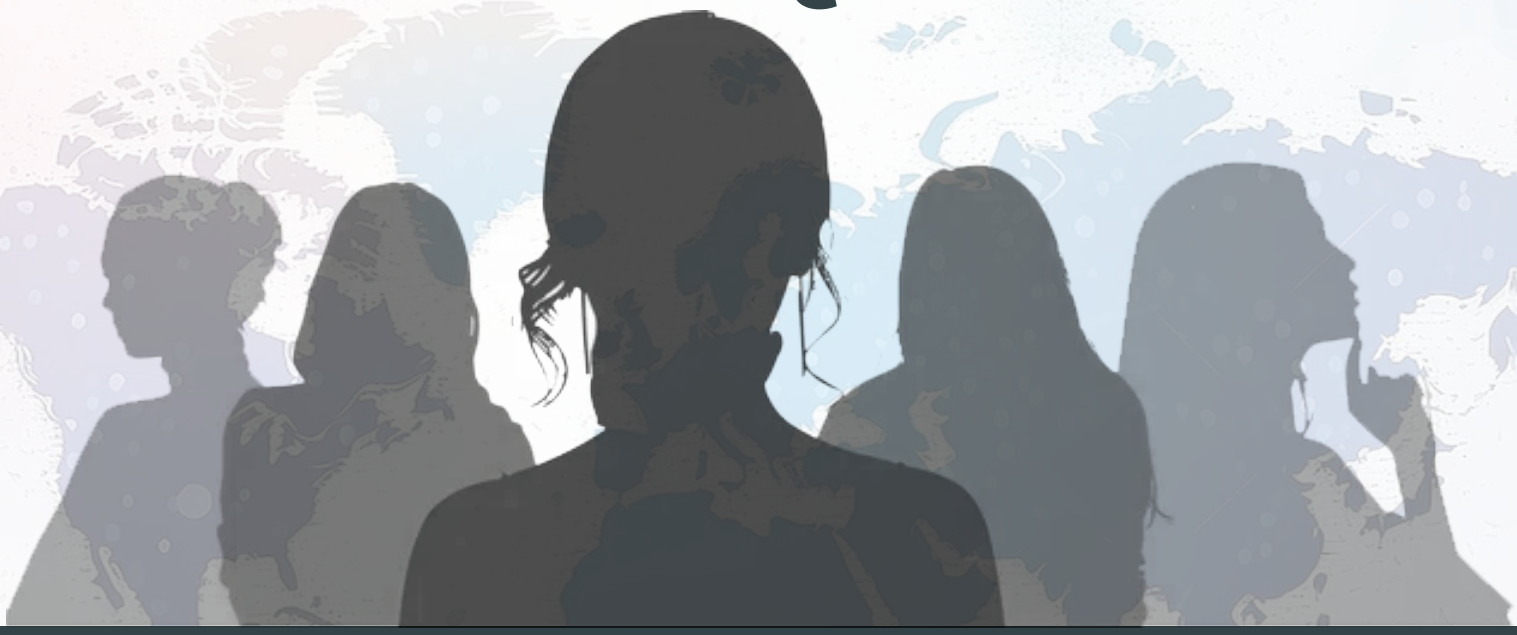

नारी - शक्ति: ज्ञान और विश्वशांति की शिल्पी

8th–9th
अक्टूबर, 2026

आयोजक:
भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली
सह-आयोजक:
G100 -Universities and Thought Leadership Wing
एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
आतिथ्य संस्थान:
झारखंड राय विश्वविद्यालय, राँची

सम्मेलन के विषय में

महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप सेज्ञान केनिर्माण, सामाजिक मूल्यों केसंवर्धन तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देनेमेंमहत्वपूर्णभूमिका निभाई है। यह विरासत भारतीय ज्ञान परंपरा के आदर्शों से गहराई सेजुड़ी हुई है। आज के समय में, जब सामाजिक-आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय चुनौतियाँ और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के समक्ष खतरे बढ़ रहेहैं, तब महिला नेतृत्व की आवश्यकता पहलेसेकहीं अधिक प्रासंगिक हो गई है। शिक्षिकाओं, विदुषियों, नेत्रिओं, पेशेवरों, उद्यमियों और सामाजिक सुधारकों के रूप मेंमहिलाओं का योगदान न केवल बौद्धिक विकास को बल्कि सामाजिक सद्भाव और शांति को भी सुदृढ़ कर सकता है।

महिला नेतृत्व पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को **"नारी शक्ति : ज्ञान और विश्व शांति की शिल्पी"** विषय केअंतर्गत एक चिंतन मंच के रूप मेंपरिकल्पित किया गया है। यह सम्मेलन विचारशील नेतृत्वकर्ताओं को आत्मनिर्भर एवं समग्र विकास केलिए परिवर्तनकारी दृष्टिकोण और समाधान पर चर्चा, चिंतन और विकास हेतु एक मंच प्रदान करता है। सार्थक संवाद और नवाचार केलिए विचारों के आदान-प्रदान केमाध्यम से सम्मेलन यह रेखांकित करनेका प्रयास करता है कि धारणक्षम विकास और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने तथा शांतिपूर्ण और लचीले समाज केनिर्माण केलिए महिला नेतृत्व की सहभागिता कितनी आवश्यक है। इसका उद्देश्य वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का निर्माण करना है, जहाँमहिला नेतृत्व बौद्धिक विकास, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरणीय संरक्षण व संवर्धन और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को भी दिशा देसके ।

यह सम्मेलन महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनानेकेसाथ-साथ उनकेविचारों, नेतृत्व और कतृत्व को सशक्त बनानेका आह्वान करता है, ताकि उन्हें स्थायी परिवर्तन केवाहक के रूप में अग्रिम पंक्ति मेंलाया जा सके। यह आयोजन न केवल महिलाओं की सफलता को रेखांकित करेगा, बल्कि नई सोच, पहलों और साझेदारियों पर भी विचार करेगा, जो आनेवालेकल केविश्व को आकार देंगी।

दृष्टि

आज विश्व की अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप मेंज्ञान,मूल्यबोध, संवेदना,करुणा और समावेशन की आवश्यकता है। ऐसेमें, अंतर्राष्ट्रीय महिला नेत्तृत्व सम्मेलन केद्वारा ज्ञान आधारित समाज व्यवस्था मेंमूल्यबोध,करुणा,संवेदना और समरसता के सामंजस्य सेज्ञान की शिल्पी और विश्वशांति की प्रस्ताविका के रूप मेंनारी -शक्ति को प्रस्थापित करनेकी परिकल्पना की गई है।

उद्देश्य

महिला नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केप्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- विभिन्न सभ्यताओं और विषयों में ज्ञान की सृजक, संरक्षक एवं संवर्धन के रूप में महिलाओं की भूमिका का अन्वेषण करना।
- व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सह-अस्तित्व, सद्भाव व शांति-स्थापित करने में महिलाओं के योगदान को व्यक्त करना।
- महिलाओं के समक्ष वर्तमान चुनौतियों का विश्लेषण करना तथा परिवार और समाज के सहयोग से इन बाधाओं को दूर करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना।
- यह समझना कि परिवार, समाज और राष्ट्र किस प्रकार महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए अग्रसर हो रहे हैं।
- महिलाओं के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और नागरिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना।
- स्व बोध, योग और आंतरिक शांति को उत्तरदायी नेतृत्व के मूल स्तंभों के रूप में संवाद का विषय बनाना।

अपेक्षित प्रतिभागी

यह सम्मेलन एक समावेशी और बहुविषयक मंच के रूप मेंपरिकल्पित है। अत: निम्नलिखित क्षेत्रों सेप्रतिभागिता अपेक्षित है:

- शिक्षा, शोध और अकादमिक क्षेत्र की महिलाएँ
- नीति निर्माण और शासन -प्रशासन केकार्यों मेंसंलग्न महिलाएँ
- सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्र की प्रतिनिधि महिलाएँ
- सामुदायिक कार्यों, उद्यमिता एवं गैर-सरकारी संगठनों की अग्रणी महिलाएँ

अपेक्षित परिणाम

इस सम्मेलन सेनिम्नलिखित परिणामों की अपेक्षा की जाती है:

- **महिला नेतृत्व की गहन समझ:** ज्ञान सृजन, पर्यावरणीय स्थिरता और वैश्विक शांति को बढ़ावा देनेवाली बहुआयामी शक्ति के रूप मेंमहिला नेतृत्व की बेहतर समझ।
- **सहयोगात्मक नेटवर्कका सुदृढ़ीकरण:** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को बढ़ावा देनेवाले सशक्त नेटवर्कका निर्माण।
- **समावेशी नेतृत्व केलिए नवाचारी समाधान:** समावेशी नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करनेवालेविचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का विकास।
- **नारी सशक्तिकरण हेतुनीतिगत अनुशंसाएं:** विभिन्न क्षेत्रों मेंमहिला नेतृत्व की भागीदारी बढ़ानेकेलिए नीतिगत सुझावों और अंतर्दृष्टि का विकास।
- **समग्र विकास केप्रति जागरूकता:** स्व बोध, नैतिक मूल्यों और आंतरिक संतुलन को राष्ट्र निर्माण केमूल आधार के रूप मेंपहचान।
- **वैश्विक विमर्शमेंयोगदान:** वैचारिक निष्पत्ति और सम्मेलन कार्यवृत्त का प्रकाशन, जो महिला नेतृत्व और बेहतर विश्व निर्माण में उसकी भूमिका पर वैश्विक संवाद को समृद्ध करेगा।

उप-विषय

1. आज की नारी: चुनौती, चेतना और चरित्र

इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण की समग्र यात्रा और समाज को आकार देने में उनकी भूमिका को समझना और प्रस्तुत करना है। हम उन चुनौतियों की पहचान करेंगे, जिनका सामना महिलाएँ आज भी कर रही हैं, जैसेकार्यस्थल पर असमानता, व्यवसायिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों मेंसंतुलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ। इस संदर्भ में जागरूकता केवल अधिकारों की पहचान नहीं है, बल्कि आंतरिक शक्ति, मूल्यों और जिम्मेदारियों की समझ भी है।यह सत्र विभिन्न दृष्टिकोणों को आमंत्रित करते हुए, समाज मेंमहिलाओं केयोगदान को मान्यता और उत्सव मनानेका अवसर देगा।

2. परिवार व्यवस्था: कल, आज और कल

इस सत्र का उद्देश्य वर्तमान समय केतीन आयामों मेंमहिलाओं केपरिवार, समाज और अर्थव्यवस्था केसाथ संबंधों का एक व्यापक और समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। कल" मेंहम अतीत सेसीखने और सीमाओं को पहचाननेपर जोर देंगे। "आज" में, हम महिलाओं केसामने बदलती पारिवारिक वास्तविकताओं और उनकेकार्य व देखभाल पर विचार करेंगे, साथ ही समाज की अव्यावहारिक अपेक्षाओं की पहचान करेंगे। "आनेवालेकल" में नए परिवारिक ढाँचों और समानता पर चर्चाकी जाएगी। हमारा लक्ष्य एक ऐसेविश्व का निर्माण करना है जहाँपरिवारों का समर्थन मिले, देखभाल की चिंता की जाए और कामकाज की संरचना मानवीय वास्तविकताओं केअनुरूप हो।

3. स्व-बोध से नागरिक-बोध तक नारी

इस सत्र का उद्देश्य आत्म- चेतना सेनागरिक जागरूकता तक की परिवर्तनकारी यात्रा का परीक्षण और संवर्धन करना है। इसमें यह समझा जाएगा कि महिलाओं का व्यक्तिगत और सामूहिक विकास किस प्रकार सक्रिय नागरिकता और सामुदायिक नेतृत्व में रूपांतरित होता है। इस परिवर्तन में आनेवाली बाधाओं और सहायक कारकों की पहचान की जाएगी, विभिन्न संदर्भों मेंमहिलाओं की सफल नागरिक भागीदारी के प्रतिमानों (मॉडलों) को प्रस्तुत किया जाएगा, तथा प्रतिभागियों केलिए ऐसेव्यावहारिक मार्ग पर चर्चाकी जाएगी जिनसे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रभाव, दोनों को सुदृढ़ किया जा सके।

4. वैश्विक सौहार्द, पर्यावरण संरक्षण और नारी

इस सत्र का उद्देश्य पर्यावरणीय संरक्षण को वैश्विक शांति के एक प्रभावी मार्गके रूप में प्रस्तुत करना है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति महिलाओं की असमान संवेदनशीलता और उनकी सक्रियताएं, जैसेपारिस्थितिक नारीवाद (इकोफेमिनिज़्म), पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निर्णय-प्रक्रिया मेंमहिलाओं की भागीदारी सेविकसित होनेवाले सतत और समावेशी समाधानों को भी उजागर किया जाएगा। यह सत्र संरक्षण (स्टूअर्डशिप) की अवधारणा पर आधारित है, जो प्रकृति केसाथ एक जिम्मेदार और साझेदारी भरा संबंध बनानेका आह्वान करता है। अंततः, यह सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित कर महिलाओं को पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति केलिए परिवर्तनकारी कारक के रूप में स्थापित करेगा।

5. सामाजिक समरसता और नारी

महिलाएँकेवल समाज की सहभागी नहीं हैं, बल्कि उसकेनैतिक और सामाजिक ढाँचेकी निर्मात्री भी हैं। माँ, बेटी, नेता, शिक्षिका और समुदाय निर्माणकर्ताके रूप मेंवेपरिवार, समुदाय और समाज केमूल्यों तथा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। जब महिलाएँ सशक्त होकर नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ती हैं, तो वे समाज मेंसंवेदनशीलता, समानता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। उनकेयोगदान को पहचानना और समर्थन देना एक ऐसेविश्व केनिर्माण केलिए आवश्यक हैजो समानता, समझ और साझा प्रगति पर आधारित हो। एक समावेशी समाज तभी फलता-फूलता है जब महिलाओं की आवाज़ हर स्तर पर सुनी जाती है तथा सम्मानित और सशक्त की जाती है।

6. योग: आंतरिक शांति से विश्व शांति का सार्वभौम मार्ग

यह सत्र योग की उपचारात्मक शक्ति को आंतरिक सेलेकर वैश्विक शांति केमार्गके रूप मेंरेखांकित करता है तथा साधिका, शिक्षिका और नेतृत्वकर्ताके रूप मेंमहिलाओं की महत्वपूर्णभूमिका पर बल देता है। इसका उद्देश्य व्यक्तिगत कल्याण, सामूहिक सहानुभूति और विश्वशांति केबीच संबंध स्थापित करते हुए अन्वेषण करनेका है। समाज केप्रति योग की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग महिलाओं केनेतृत्व विकास मेंकिस प्रकार करें और उसेविश्व मेंशांति-स्थापना करनेमेंकैसे एकीकृत करें।

हमारे बारे में

भारतीय विश्वविद्यालय संघ

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) 1925 में स्थापित किया गया था। यह भारत का सबसे बड़ा शीर्ष(एपेक्स) उच्च शिक्षा संगठन है, जो उच्च शिक्षा, खेल, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित नीतियों पर सरकार को सलाह देता है। वर्तमान में इसके सदस्यता में।159 विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनमें20 अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय भी हैं। यह संस्था भारतीय विश्वविद्यालयों केबीच सहयोग को बढ़ावा देती है तथा सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों केबीच समन्वय का कार्यकरती है। इसकेसाथ ही AIU विश्व केविभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जानेवाली डिग्रियों की समकक्षता प्रदान करती है और अपने सदस्य संस्थानों मेंखेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करती है। पिछले100 वर्षों केअपनेलंबे इतिहास मेंAIU नेभारत में उच्च शिक्षा केविकास और दिशा निर्धारण मेंमहत्वपूर्णभूमिका निभाई है। इसकेपूर्वअध्यक्षों मेंडॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन और डॉ. जाकिर हुसैन जैसेप्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी शामिल रहे हैं।

झारखंड राय विश्वविद्यालय

झारखंड राय विश्वविद्यालय (JRU) की स्थापना वर्ष2012 में हुई थी। यह पूर्वी भारत का एक तेज़ी सेविकसित हो रहा निजी विश्वविद्यालय है, जो अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवोन्मेषी, छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धति केलिए जाना जाता है। JRU समग्र (Holistic) शिक्षा पर विशेष बल देता है, जिसमेंकौशल विकास, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व निर्माण को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि सामाजिक रूप सेजिम्मेदार पेशेवरों का निर्माण किया जा सके। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों मेंडिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट स्तर केकार्यक्रम प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों मेंमुख्य पाठ्यक्रमों केसाथ-साथ विशेषीकरण, उद्यमिता और जीवन कौशल को भी समाहित किया गया है। अनुभवी संकाय और सामुदायिक-आधारित अनुसंधान केप्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ JRU का उद्देश्य ऐसेभविष्य-उन्मुख नेताओं का निर्माण करना है, जो ईमानदारी और वैश्विक क्षमता केसाथ समाज की चुनौतियों का सामना कर सकें।

G100

GG100 एक वैश्विक संगठन है, जिसमें100 महिला नेतृत्व शामिल हैंजो लैंगिक समानता (Gender Equality) केलिए कार्यकरती हैं। यह संगठन "He for She" के समर्थकों और विभिन्न देशों केचेयरपर्सन के सहयोग से सरकारों और संगठनों केबीच जागरूकता और नीतिगत पहल केमाध्यम से स्थायी प्रभाव उत्पन्न करनेका लक्ष्य रखता है। G100 परिवर्तन का प्रतीक है, जो नोबेल पुरस्कार विजेताओं और पूर्वराष्ट्राध्यक्षों सहित दुनिया की प्रमुख हस्तियों को एक मंच पर जोड़ता है। इसकेप्रमुख सदस्यों मेंHarbeen Arora Rai (संस्थापक और अध्यक्ष), Violeta Bulc (स्लोवेनिया की पूर्व उपप्रधानमंत्री), Ouided Bouchamaoui (नोबेल शांति पुरस्कार विजेता), Maya Morsy (मिस्र की राष्ट्रीय महिला परिषद की अध्यक्ष) और Jewel Howard-Taylor (लाइबेरिया की पूर्व उपराष्ट्रपति) शामिल हैं।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास वर्ष2007 सेदेश की शिक्षा को औपनिवेशिकता सेमुक्त करके भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवंकौशल विकास आधारित वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था केनिर्माण का समर्थन करता है। शिक्षा उत्थान विभिन्न शैक्षणिक स्तरों केपाठ्यक्रम निर्माण जिसमेंचरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास, पर्यावरण शिक्षा और वैदिक गणित आदि विषयों में अपना योगदान देता है। कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवंपरिचर्चाओं के आयोजन द्वारा देश की शिक्षा मेंमूलभूत परिवर्तन के द्वारा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करनेहेतु एक जन आन्दोलन को प्रोत्साहित करनेका कार्यकर रहा है।

संरक्षक

डॉ. अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

डॉ. हरबीन अरोड़ा राय
संस्थापक, G100, WICCI, WEF, SHEconomy एवं All Ladies League

परामर्श समिति

डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल
महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU)

प्रो. सविता सेंगर
कुलाधिपति, झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची

श्रीमती मोनिका एस. गर्ग
सेवानिवृत्त भा.प्र.से. (IAS) अधिकारी, उत्तर प्रदेश कैडर

प्रो. उज्ज्वला चक्रदेव
कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

प्रो. निलोफर खान
कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर

प्रो. संगीता शुक्ला
कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रो. राजुल के. गज्जर
कुलपति, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (GTU), अहमदाबाद

डॉ. टेसी थॉमस
परियोजना निदेशक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

डॉ. विनीता एस. सहाय
निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), बोध गया

श्रीमती अनिता वर्मा
निदेशक, अभिनव सुमेधा गवेषणा संस्थान

संपर्क विवरण

सुश्री रागिनी कुमारी
सहायक प्राध्यापक
झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची
संपर्क: +91- 9031655506
ईमेल: AIUConference@jru.edu.in

डॉ. विजेंद्र कुमार
प्रमुख, मीटिंग्स डिवीजन/
भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU)
संपर्क: +91- 7042049614
ईमेल आईडी: meetings@aiu.ac.in

कार्यक्रम स्थल
ज़ाना - ए लग्जरी एस्केप - ढिकुली,
जिम कॉर्बेट, उत्तराखंड, भारत
स्थान की जानकारी के लिए क्यूआर कोड (QR) स्कैन करें